जुनून कामयाबी का

'मेरा भावी लक्ष्य डाटा इन्फोसिस को माइक्रोसॉफ्ट की श्रेणी में लाने का है, जिसे दुनियाभर में लोगों का सहयोग और सम्मान हासिल है।'

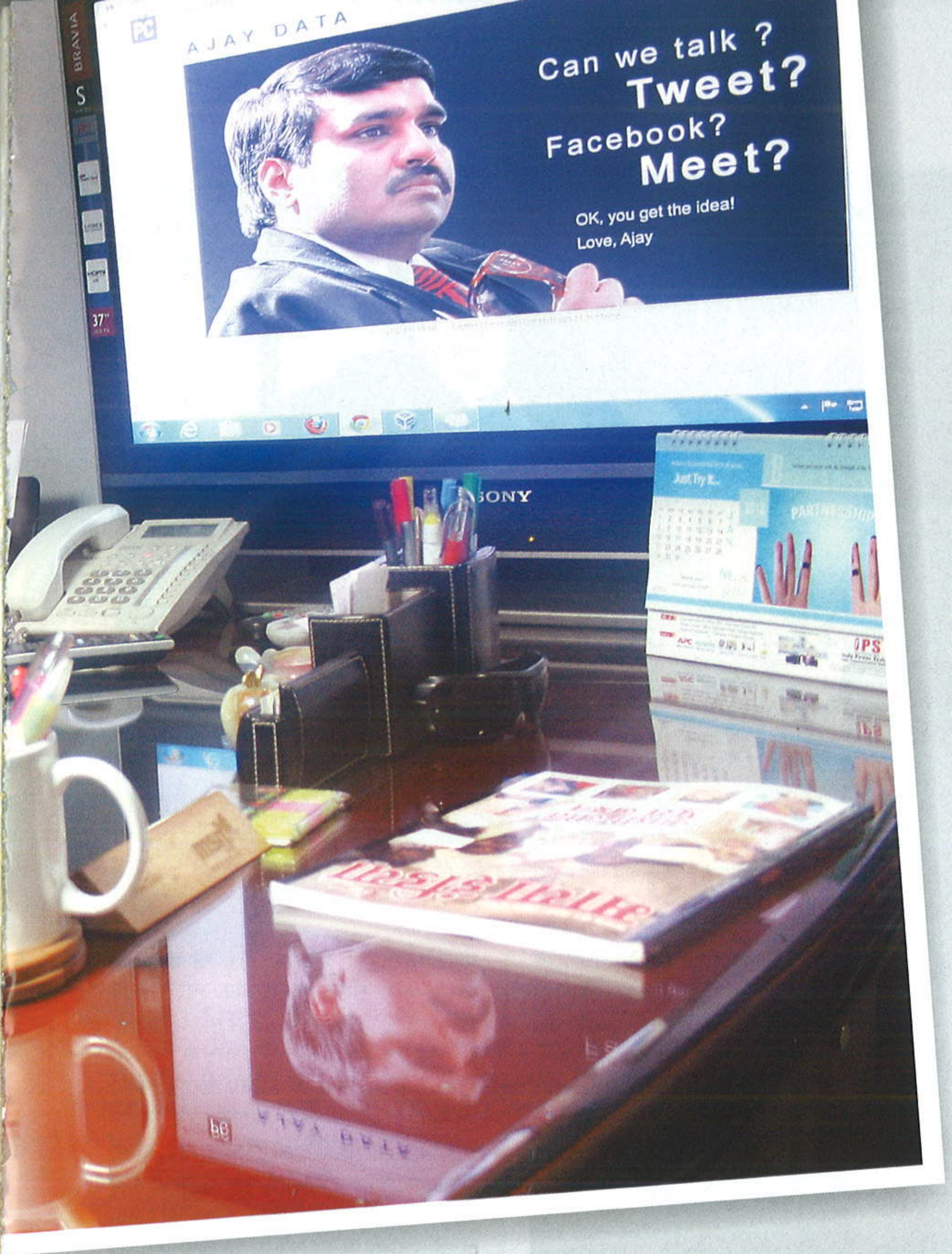

आईटी सैक्टर में देश की चोटी की कंपनियों में शामिल डाटा इन्फोसिस ने एक दशक की अवधि में ही फहराया कामयाबी का परचम। कंपनी के संस्थापक-सीईओ डॉ. अजय डाटा के अनुभव और युवावस्था के उत्साह ने इसे बनाया सूचना-प्रौद्योगिकी के संसार का विश्वस्तरीय संस्थान।

प्रताप सिंह

हाल के दौर में सूचना और प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में जो प्रगति हुई है, उससे हम सब वाकिफ हैं। इलैक्ट्रॉनिक माध्यम के जरिए दुनिया का अधिकांश भाग जुड़ गया है और सूचना-प्रौद्योगिकी क्रांति ने ज्ञान के द्वार खोल दिए हैं। सूचना-प्रौद्योगिकी के बहुआयामी उपयोग के कारण विकास के नए रास्ते खुल रहे हैं और हमारे देश में भी सूचना-प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। हमारी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक गतिविधियों तथा अन्य बहुत से क्षेत्रों में सूचना-प्रौद्योगिकी का विकास दिखाई दे रहा है। इलैक्ट्रॉनिक तथा डिजीटल उपकरणों की सहायता से इस क्षेत्र में निरंतर प्रयोग हो रहे हैं। आर्थिक उदारतावाद के इस दौर के वैश्विक ग्राम (ग्लोबल विलेज) की संकल्पना संचार प्रौद्योगिकी के कारण ही सफल हुई है। इस नए युग में ई-कॉमर्स, ई-मेडीसिन, ई-एज्यूकेशन, ई-गवर्नेंस, ई-बैंकिंग, ई-शॉपिंग आदि इलैक्ट्रानिक माध्यमों का विकास हो रहा है और सूचना प्रौद्योगिकी आज शक्ति और विकास का प्रतीक बन गई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी की इस देन के ज्ञान का सार्थक उपयोग करते हुए इसके माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को उनसे लाभान्वित कराने का प्रयास डाटा इन्फोसिस लिमिटेड के संस्थापक-सीईओ डॉ. अजय डाटा कर रहे हैं। सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे देश ने विश्व मानचित्र पर अपनी विशेष पहचान बनाने में सफलता प्राप्त की है और इसका बहुत कुछ श्रेय राजस्थान के युवा और ऊर्जावान उद्यमी डॉ. अजय डाटा को दिया जा सकता है, जिन्होंने बड़ी तेजी से सूचना-प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से इस

गौरवशाली विरासत

डाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज ने आज कारोबारी दुनिया में अपनी जो खास पहचान बनाई है, वह इस कंपनी के चेयरमैन बाबूलाल डाटा के दूरदर्शितापूर्ण नजरिए और प्रखर बुद्धि कौशल का ही नतीजा है। सादगीपूर्ण जीवन और कड़ी मेहनत में यकीन करने वाले बाबूलाल डाटा का एक ही बिजनैस मंत्र है- 'अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पाद पेश करो, कामयाबी अपने आप तुम्हारे पास आएगी!' वे इस बात पर जोर देते हैं कि लक्ष्य पर पहुंचने के लिए सिर्फ और सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है, और वो है- मेहनत। ■

डाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन बी.एल. डाटा

क्षेत्र में जुटे डॉ. अजय डाटा हालांकि अपनी कामयाबी का श्रेय अपने सहयोगी विशेषज्ञों द्वारा उनमें व्यक्त किए गए विश्वास को देते हैं, लेकिन उन्हें नजदीक से जानने वाले लोगों का कहना है कि यह डॉ. अजय डाटा की प्रतिबद्धता और काम के प्रति उनकी ईमानदार कोशिशों का ही नतीजा है कि आज उनकी कंपनी की गिनती तेजी से प्रगति करने वाली कंपनियों में होती है। अपने अब तक के सफर पर नजर डालते हुए डॉ. अजय डाटा विनम्र भाव से कहते हैं, 'मेरा भावी लक्ष्य डाटा इन्फोसिस को माइक्रोसॉफ्ट की श्रेणी में लाने का है, जिसे दुनियाभर में लोगों का सहयोग और सम्मान हासिल है।'

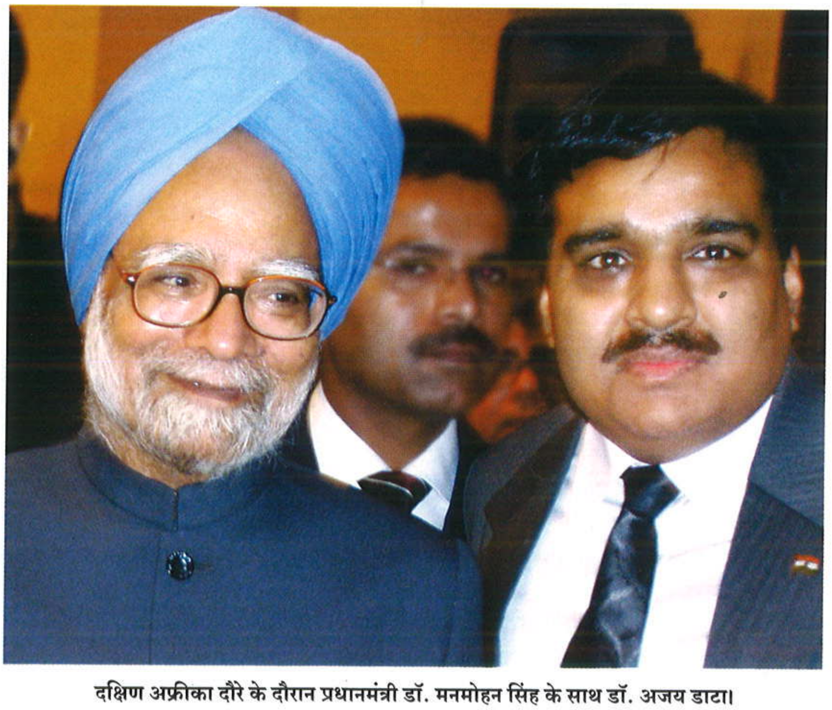

दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ डॉ. अजय डाटा।

मूल रूप से राजस्थान के अलवर जिले के खैरथल के रहने वाले डॉ. अजय डाटा ने न्यूपोर्ट यूनिवर्सिटी अमेरिका से कंप्यूटर विज्ञान में एमबीए और फिर नीदरलैंड से इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की है। अजय डाटा ने सिर्फ अड़तीस साल की उम्र में आईटी की दुनिया में वह पहचान कायम की है, जो लोग वर्षों की मेहनत के बाद भी नहीं कर पाते। अजय डाटा के दृढ़ संकल्प का चमत्कार उनकी कंपनी की उपलब्धियों में प्रदर्शित होता है, जो आज बीएसएनएल, एमटीएनएल की राह पर चलती हुई देश की पांचवी सबसे प्रमुख आईटी सॉल्यूशन प्रोवाइडर कंपनी बन गई है।

हालांकि आईटी सैक्टर की शुरुआत बैंगलुरू और हैदराबाद जैसे शहरों में हुई थी, लेकिन अपने संसाधनों के जरिए अजय डाटा करीब एक दशक पहले क्रांति की इस लहर को अपने गृह राज्य राजस्थान में ले आए और उनके प्रयासों की बदौलत आज आईटी के नक्शे पर राजस्थान का नाम भी चमक रहा है। आईटी सैक्टर के विशेषज्ञों का कहना है कि डाटा की उपलब्धि इस लिहाज से भी महत्त्वपूर्ण है कि उन्होंने अपना सफर तब शुरू किया था, जब राजस्थान में कंप्यूटर

कामयाबी की दास्तान

अजय डाटा

38 वर्ष

कंपनी

डाटा इन्फोसिस लिमिटेड

मुख्यालय

जयपुर

कर्मचारी

600

कारोबार

दुनिया में

डाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज का मौजूदा टर्नओवर

500 करोड़ (2011)

अजय डाटा को भारतीय प्रवक्ता का सम्मान

ऑस्ट्रेलिया में पिछले दिनों इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी विषय पर एक्सपो का आयोजन किया गया था। इस आयोजन में विश्व की लगभग सभी दिग्गज कम्पनियों ने भाग लिया, इसमें राजस्थान के डॉ. अजय डाटा को प्रवक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. डाटा ने विश्व का पहला एंटी स्पाम उत्पाद विकसित किया है, जो स्पॉम मेल आदि को रोकने में बेहद असरदार है। डाटा ने इसे जादू नाम दिया है। डाटा के अनुसार उन्हें इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी एक्सपो में बुलाया जाना पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे जिस उत्पाद को विकसित कर रहे हैं, उसे विश्व का सबसे बेहतर एंटी स्पाम उत्पाद घोषित किया जाएगा। विश्व की दिग्गज आईटी कम्पनियों ने भी डॉ. डाटा के उत्पाद की सराहना की। ■

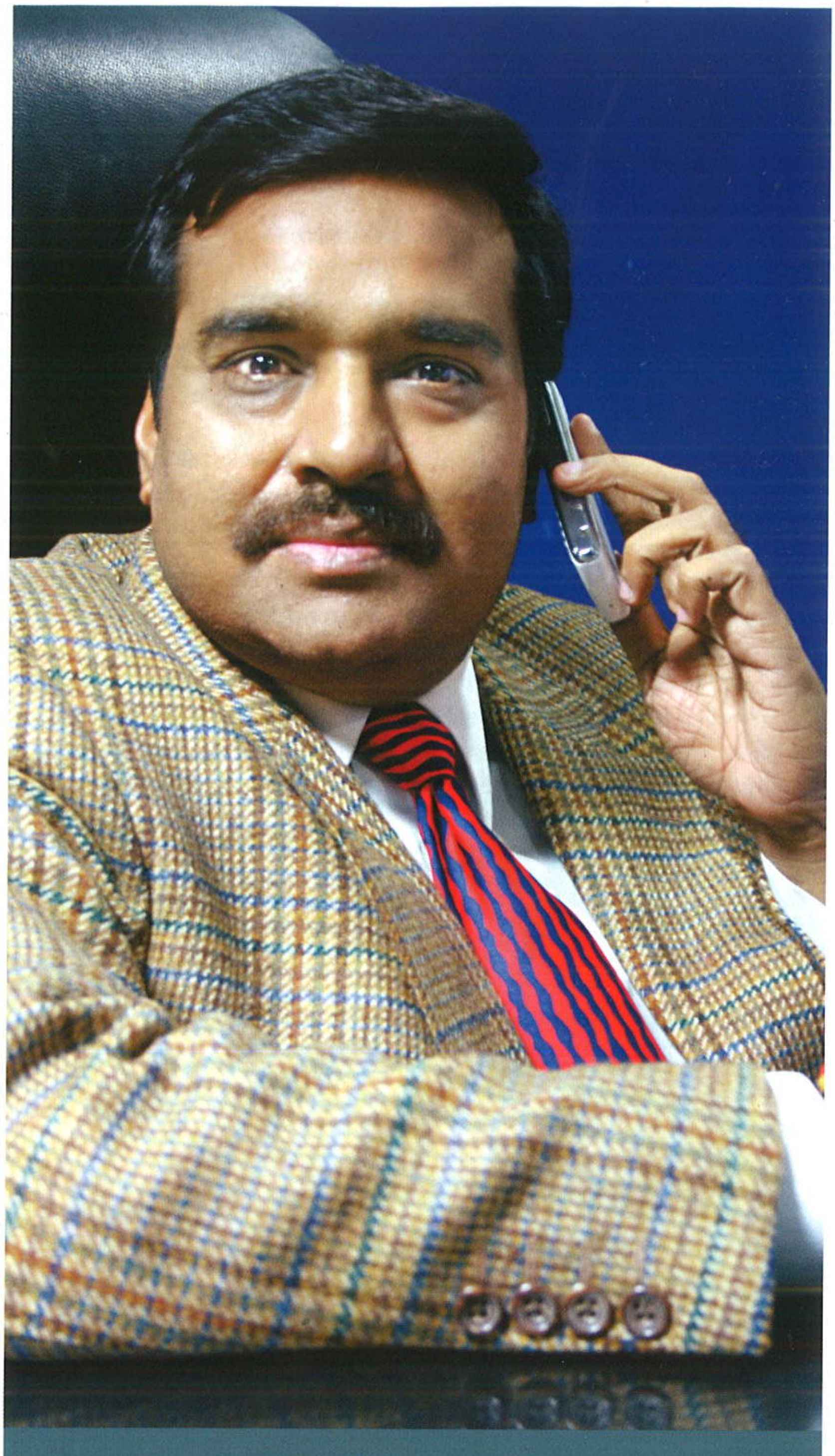

डॉ. अजय डाटा ने सिर्फ अड़तीस साल की उम्र में वह कामयाबी हासिल की है, जो लोगों को वर्षों की मेहनत के बाद भी नहीं मिलती।

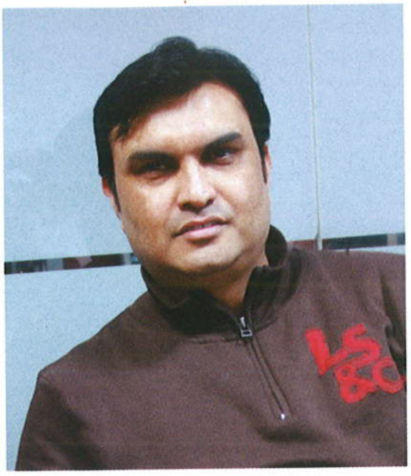

नितिन वालिया
निदेशक

मुकेश गुप्ता
निदेशक

मोतीलाल ओष्टवाल
निदेशक

शिक्षा अपने शुरुआती दौर में ही थी। लेकिन अजय डाटा की आंखों ने भविष्य के पार देखा और उसे सच भी कर दिखाया। उनका फैमिली बिजनैस ऑयल का था, लेकिन अजय डाटा की दिलचस्पी आईटी सैक्टर में थी, इसलिए उन्होंने इसी फील्ड में कुछ नया करने का फैसला किया। 1999 में जब पहली बार प्राइवेट आईएसपी का लाइसेंस निकला, तो उन्होंने इसके लिए आवेदन कर दिया और इस तरह नींव पड़ी डाटा इन्फोसिस की। इस कंपनी के संस्थापक-सीईओ के तौर पर उन्होंने आईटी फील्ड में नए इनोवेशन करने का प्रयास किया और इसमें उन्हें काफी हद तक कामयाबी भी मिली। आज सॉफ्टवेयर, बीपीओ, कॉल सेंटर, ई-कॉमर्स, ई-गवर्नेंस और वेब एप्लीकेशन के साथ पुश मेल सर्विस जैसे कई महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के साथ डाटा इन्फोसिस का नाम जुड़ा है। राजस्थान में कंपनी की दस से अधिक शाखाएं हैं और लुधियाना, देहरादून, मोहाली, कानपुर जैसे शहरों में भी कंपनी की शाखाएं हैं। आईबीएम एडवांस लेवल, माइक्रोसॉफ्ट गोल्ड पार्टनर और रेड हैट के साथ कंपनी की पार्टनरशिप है और भविष्य में स्मार्ट

एंटरप्रन्योर्स ऑर्गेनाइजेशन के ग्लोबल चेयरमैन संजय कपूर और ग्लोबल प्रेसीडेंट शैल्बी से दुबई में जयपुर चैप्टर के लिए रैंडी केरॉल स्टार्टअप अवार्ड लेते हुए डॉ. अजय डाटा।

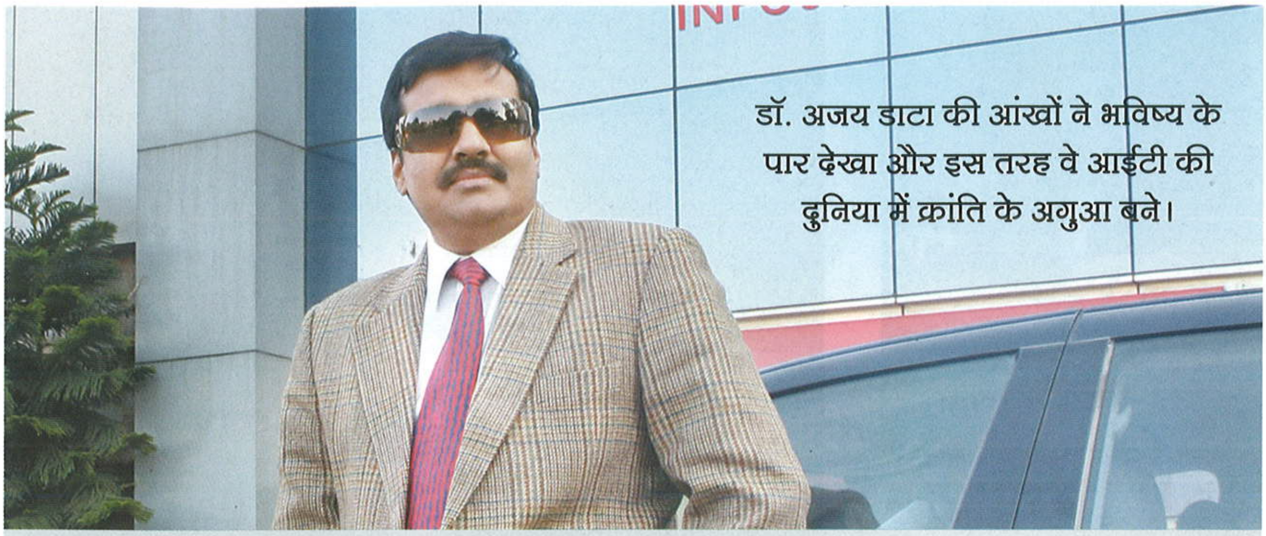

ब्लैकबेरी का जवाब भारत सिंक

यदि आप ब्लैकबेरी फोन खरीदना चाहते हैं और उसकी सेवाओं का लुत्फ उठाना चाहते हैं, वो भी कम पैसे में, तो इस्तेमाल कीजिए 'भारत सिंक'। भारतीय कंपनी डाटा इन्फोसिस लिमिटेड ने ब्लैकबेरी के विकल्प के रूप में सर्विस लॉन्च की है, जिसका नाम भारत सिंक रखा गया है। हाल ही इस सर्विस की लॉन्चिंग की गई। दिलचस्प बात यह है कि भारत सरकार के साथ तमाम विवादों में चल रही ब्लैकबेरी सर्विस का विकल्प आखिर कार भारतीय कंपनी ने खोज निकाला और इस तरह डाटा इन्फोसिस लिमिटेड ने भारत सिंक निकालकर सबको चौंका दिया। इस फोन की टेस्टिंग पिछले कई दिनों से चल रही थी। भारत सिंक की लॉन्चिंग के मौके पर कंपनी के सीईओ डॉ. अजय डाटा ने कहा कि इस उत्पाद का निर्माण सभी भारतीय नियमों के मुताबिक किया गया है। असल में ब्लैकबेरी फोन पर इंटरनेट ऐक्सेस को सरकार मॉनीटर नहीं कर पा रही थी, लेकिन इसमें ऐसा हो सकेगा। भारत सिंक सर्विस की कीमत भी काफी कम रखी गई है। इसमें उपभोक्ता को केवल 80 रुपए प्रति माह देना होगा, जिससे वो इस सेवा का लाभ उठा सकेगा। इसमें फोन द्वारा ईमेल भी भेजे जा सकेंगे। सिंक्रोनाइजेशन के लिए उपभोक्ता को 50 रुपए देने होंगे। भारत सिंक साफ्टवेयर को ऑनलाइन डाउनलोड किया जा सकता है।

गौरतलब है कि भारत सरकार ने रिलायंस इंडिया मोबाइल और कनाडा की एक कंपनी को ब्लैकबेरी सर्विस मुहैया कराने की अनुमति दे रखी है और यह करार अब खत्म हो रहा है। लिहाजा ऐसे मौके पर भारत सिंक सेवा ब्लैकबेरी को पीछे छोड़ सकती है।

प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने देश के सभी सर्किलों में अपने मोबाइल उपभोक्ताओं को 'पुश-ईमेल' सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारत सिंक टैक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड से गठबंधन किया और इसी क्रम में पिछले दिनों नई दिल्ली में एमटीएनएल ने भारत सिंक सेवाओं की शुरुआत की गई। इसी तरह की सेवाएं मुंबई में भी एमटीएनएल के साथ शुरू की गई हैं और अब ये सेवाएं देशभर में बीएसएनएल के जीएसएम मोबाइल उपभोक्ताओं के लिए शुरू कर दी गई हैं। भारत सिंक के संस्थापक और सीईओ डॉ. अजय डाटा के मुताबिक भारत सिंक सेवाएं लगभग सभी प्रकार के मोबाइल फोन पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि भारत सिंक की पर्सनल इनफॉर्मेशन मैनेजर (पीआईएम) सेवाएं उन उपभोक्ताओं को और सुविधाएं प्रदान करेगी, जो पहले से ही मोबाइल पर ई-मेल सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। हाल के दौर में डाटा कनैक्टिविटी में बेहतर परिणाम सामने आने के बाद अब ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता अपने संपर्क के लोगों से कनैक्टर रहने के लिए पुश ई-मेल सेवाओं का उपयोग करना चाहते हैं। डॉ. अजय डाटा ने कहा कि अब भारत सिंक और बीएसएनएल की साझीदारी के कारण लोगों की पुश ई-मेल संबंधी जरूरतें आसानी से और सुविधाजनक तरीके से पूरी हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि भारत सिंक के साथ गठबंधन करने के बाद बीएसएनएल अपने ग्राहकों को सस्ती लागत पर तकनीकी रूप से विकसित उन्नत सेवाएं देकर उन्हें दूरसंचार के क्षेत्र में श्रेष्ठ स्तर पर ले जाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर सकता है। ■

ईको-फ्रैंडली ऑफिस

डाटा इन्फोसिस के चेयरमैन अजय डाटा का ऑफिस पर्यावरण के प्रति प्रेम दर्शाता है। ईको-फ्रैंडली वुडन फर्नीचर का कलर भी प्रगति की ओर निरंतर बढ़ने का संकेत देता है। वहीं ईको-फ्रैंडली लाइट ऊर्जा संरक्षण के तरीके की ओर इशारा करती है। प्रेरक संदेशों से सजा कैलेंडर उन्हें अच्छा करने को प्रेरित करता है। अजय कहते हैं, वास्तुशास्त्र का विज्ञान तर्कसंगत है। इसमें भी जो अच्छा और आसानी से ग्रहण करने योग्य है, उसे अपनाने में कोई हर्ज नहीं। इससे मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव सामने है। ■

डाटा ग्रुप-एक नजर में

- डाटा इन्फोसिस लिमिटेड
- भारत बेरी टैक्नोलॉजीस (प्रा)लिमिटेड
- डाटा इन्फोकॉम लिमिटेड
- विजय इंडस्ट्रीज
- श्रीहरि एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- सौरभ एग्रोटैक (प्रा)लिमिटेड
- प्यारेलाल निरंजनलाल एंड कंपनी
- विजय टिन इंडस्ट्रीज

कार्ड, बायोमैट्रिक्स और एंबेडेड टैक्नोलॉजी से भी जुड़ने की कंपनी की प्लानिंग है। छोटी-सी जमा पूंजी से उन्होंने एक ऐसी कंपनी की नींव डाली, जिसे आज देश की बेहतरीन कंपनियों में गिना जाता है और जिसे आईटी फील्ड में उत्तर भारत की सबसे बड़ी कंपनी होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने राजस्थान समेत समूचे उत्तर भारत में आईटी की उपयोगिता से जुड़ी संभावनाओं को अपनी दूरदर्शितापूर्ण निगाहों से परखा और इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए अपनी कंपनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा दिया है। जैसा कि अजय डाटा कहते हैं, 'अगर हम राजस्थान में आईटी के क्रांतिकारी स्वरूप की बात करें, तो गत वर्षों में जिस तरह से यहां आईटी से जुड़ी संभावनाओं ने अपनी पकड़ बनाई है, इसे एक अविश्वसनीय कल्पना की कहा जाएगा।'

इन्फोसिस के चेयरमैन नारायणमूर्ति के साथ अजय डाटा।

डॉ. अजय डाटा के आध्यात्मिक गुरु चाओ कॉक सुई।

डाटा इन्फोसिस राजस्थान की पहली सॉफ्टवेयर कंपनी है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है और आज इस कंपनी की सेवाएं कई सरकारी और निजी कंपनियां ले रही हैं। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए कंपनी ने स्पॉट बिलिंग की सेवाएं उपलब्ध कराई हैं और राजस्थान के वन विभाग (रणथंभोर नेशनल पार्क) को भी कंपनी द्वारा सेवाएं दी जा रही हैं, जिसके तहत पर्यटक राजस्थान के वनों के बारे में जानकारी लेने के साथ ही ऑनलाइन टिकट भी खरीद सकते हैं। उत्तर-पश्चिम रेलवे और पर्यटन विभाग के लिए भी कंपनी काम कर रही है। राजस्थान सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के लिए कंपनी जयपुर के लिए वाई-फाई सिस्टम और सभी सरकारी विभागों को ई-मेल से जोड़ने का काम कर रही है। इसके अलावा, डाटा इन्फोसिस बैंक, पावर, टेलीकॉम, सीआईडी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलोजी कोलकाता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइनिंग, एमटीएनएल, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, पीएचडी, पुलिस, पंजाब इलैक्ट्रिसिटी और राजकॉम्प जैसे संस्थानों को भी अपनी सेवाएं उपलब्ध करवा रही है। डाटा इन्फोसिस के सीईओ अजय डाटा कहते हैं कि आईटी की मदद से तमाम सरकारी दफ्तर अपने कामकाज को और सरल और सुगम बना सकते हैं। वे कहते हैं कि भ्रष्टाचार को समाप्त करने में भी आईटी का महत्त्वपूर्ण रोल है। दुनिया के अनेक देश अपने यहां भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए आईटी का सहारा ले रहे हैं।

हाल ही कंपनी ने अनचाहे ई-मेल को रोकने के लिए एक सॉफ्टवेयर डवलप किया है, जिसे दुनिया ने स्वीकार किया है और जो अमेरिका में पेटेंट हुआ है। दुनिया भर के आईटी क्षेत्र में भारत और राजस्थान की छवि चमकाने वाले अजय डाटा का मानना है कि आप कहां से और किससे सीखते

कर्मठ लोगों की कर्मस्थली...डाटा इन्फोसिस के मुख्यालय में काम करते हुए समर्पित कर्मचारी।

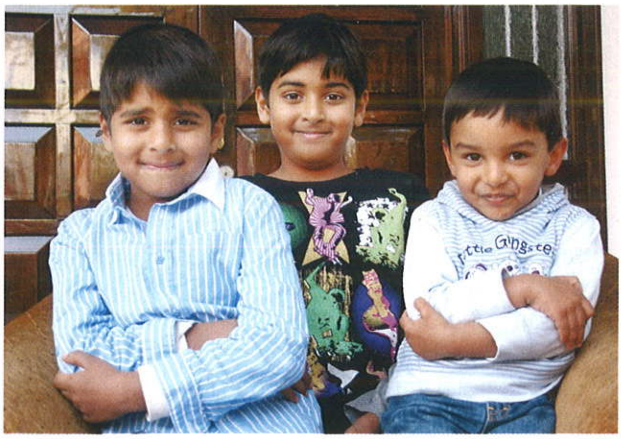

होनहार नौनिहाल...डॉ. अजय डाटा के सुपुत्र ध्रुव और ऋषभ। साथ में दीपक डाटा के सुपुत्र अमोल।

विश्व विख्यात आईटी कंपनी इंटेल के मुख्यालय में अजय डाटा अन्य कॉर्पोरेट हस्तियों के साथ।

हैं, यह महत्त्वपूर्ण नहीं है। महत्त्वपूर्ण यह है कि आपने क्या सीखा और कैसे सीखा। अगर आप अपनी नाकामयाबी से सीखते हैं, तो यह आसान है। मगर सफलता से शिक्षा लेना आसान नहीं होता, क्योंकि हमारी हर कामयाबी हमारे कई पुराने फैसलों की पुष्टि करती है। अगर आप में नया सीखने की कला है, और आप जल्दी से नए विचार अपना लेते हैं, तभी सफल हो सकते हैं। उनकी सफलता का मूल मंत्र भी शायद यही है। वे कहते हैं कि 'हमें सफल होने के लिए नए बदलावों को स्वीकारने की आदत होनी चाहिए। मैंने कंप्यूटर विज्ञान में एमबीए के बाद किसी बड़ी कंपनी में नौकरी कर सकता था या अपने फैमिली बिजनैस को आगे बढा सकता था, लेकिन मुझे पता था कि कंप्यूटर और आईटी में ही मेरा भविष्य छुपा है। इसके बाद मैंने जयपुर में इन्फोसिस की स्थापना की और कंपनी का कारोबार बढ़ाया। जो जगह मुफीद लगे, वहीं काम में जुट जाओ।'

आज डाटा इन्फोसिस इंटरनेट सेवा, ई-गवर्नेंस, सॉफ्टवेयर डवलपमेंट ओर आईटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में मार्केट के बड़े हिस्से पर काबिज है। इसके पीछे डॉ. अजय डाटा की दूरदर्शितापूर्ण सोच प्रमुख कारण रही है। उन्होंने उपभोक्ता आधारित इस सेवा में उपभोक्ताओं के हित को ही सर्वोपरि माना है। यही वजह रही कि डाटा इन्फोसिस ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपना अलग ही स्थान बनाया। डॉ. अजय वैसे तो समूचे डाटा ग्रुप के 'आईटी मार्च' के अगुआ हैं। उन्होंने तकनीक को विकास से बखूबी जोड़ा है। डाटा ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन उनके पिता बाबूलाल डांटा हैं जिन्हें वे अपना प्रेरणास्रोत भी मानते हैं। इस ग्रुप का मूल व्यवसाय खाद्य तेल और वनस्पति था लेकिन वक्त की रफ्तार के साथ चलते हुए ग्रुप ने इंटरनेट सर्विस, सॉफ्टवेयर डवलमेंट के क्षेत्र में प्रवेश किया। उनके समर्पित कर्मचारियों की टीम ने भी इस मुकाम तक पहुंचने में अपना भरसक योगदान किया है। डॉ. अजय को अपने भाई दीपक डाटा का भी पूरा सहयोग मिला जिन्होंने डाटा इन्फोसिस के लिए मेरठ, देहरादून, रुड़की सहित कई स्थानों पर आईएसपी नोड्स स्थापित करने में भूमिका निभाई। दीपक डाटा ग्रुप के डायरेक्टर तो हैं ही, वे ग्रुप के ऑयल एंड

सेवा को समर्पित जीवन

यदि किसी शख्स की ख्वाहिश यह हो कि उसे समाज के लिए कुछ कर गुजरने के उद्देश्य से इतना कार्य मिले कि 24 घंटे भी कम पड़ जाएं तो उसके जज्बे का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। अपने जीवने का हर पल दूसरों की सेवा के लिए समर्पित करने की इच्छुक शख्सियत हैं मोहिनी डाटा।

प्रसिद्ध उद्योगपति बाबूलाल डाटा की धर्मपत्नी मोहिनी डाटा जहां परिवार और पति के हर संभव सहयोग को तत्पर रहकर उनकी सफलता में योगदान करती हैं वहीं वे सामाजिक कार्यों की दृष्टि से जनसेवा के लिए भी पूरे उत्साह के साथ जुटी हुई हैं। खैरथल लायंस क्लब की 25 वर्षों से वे सदस्य हैं वहीं वामा क्लब की कोषाध्यक्ष भी हैं। इन संस्थाओं और महावर महिला मंडल के जरिए नेत्र रोग चिकित्स शिविरों, मेलों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन में पूरी सहभागिता रहती है। गरीबों की सेवा भी मोहिनी डाटा का उद्देश्य है। लेकिन इतने कार्य करने के बावजूद प्रसिद्धि पाना उनका उद्देश्य नहीं है। भगवान में गहरी आस्था रखने के साथ ही उन्होंने श्रद्धाभाव को दान-पुण्य में भी जोड़कर यहां भी जनसेवा को ही वरीयता दी। धार्मिक प्रवृत्ति की श्रीमती डाटा ने अपने सास-ससुर की स्मृति में भूरासिद्ध में नौ कुंडीय यज्ञशाला का निर्माण करवाया है।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी मोहिनी डाटा की बैडमिंटन, वॉलीबॉल और रेस जेसे खेलों के साथ ही डांस एवं हारमोनियम में भी रुचि रही है। उन्हें महिलाओं से जुड़ी पुस्तकें पढ़ना और बालिका वधू सीरियल देखना भी पसंद हैं। श्रीमती डाटा का पसंदीदा व्यंजन है-पालक पनीर। दरअसल सामाजिक दायरा बढ़ाने के साथ ही कुकिंग भी उनकी हॉबी है। वे सिंगापुर, मलेशिया और थाइलेण्ड की यात्रा भी कर चुकी हैं। ईश्वर की कृपा के अलावा पति के पूर्ण सहयोग को वे अपनी सफलता का कारण मानती हैं। उनका कहना भी यही है कि यदि सभी लोग अपना कार्य और कर्तव्य ईमानदारी से निभाएं तो कोई समस्या बाकी नहीं रहेगी एवं प्रगति के रास्ते आसान हो जाएंगे। यही समाज के लिए उनका संदेश भी है।■

जनसेवा के लिए समर्पित...मोहिनी डाटा और बी.एल. डाटा।

सहयोग की नई मिसाल... डॉ. अजय डाटा के भाई दीपक डाटा और उनकी पत्नी रितिका डाटा।

आईटी क्रांति को आगे बढ़ाने में अजय डाटा को अपने भाई दीपक डाटा का भी पूरा सहयोग मिला, जिन्होंने राजस्थान के बाहर आईएसपी नोड्स कायम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एग्रीकल्चर बिजनेस के संचालन में भी पूरा योगदान देते हैं। वैसे उन्होंने लीड्स मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन से कम्प्यूटर साइंस में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। 'युवा उद्यमी' पुरस्कार प्राप्त दीपक ने अपने परंपरागत व्यवसाय को श्रीलंका जाकर बढ़ाने में भी योगदान दिया। वहीं अजय डाटा विदेशों में कई महत्त्वपूर्ण सेमिनार व यात्राओं में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे हैं। वे दक्षिण अफ्रीका गए प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह के प्रतिनिधि मंडल में शामिल थे। इसके अलावा केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री कमलनाथ की मौजूदगी में ब्राजील में आईबीएसए बिजनेस समिट में भी उन्होंने शिरकत की। ग्रुप ने पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत की दिशा में कार्य करते हुए जैसलमेर में पवन ऊर्जा सयंत्र की स्थापना भी की है।

कुल 52 बीघा क्षेत्रफल में स्थित यह संयंत्र 1.38 एमवी क्षमता का है। यह संयंत्र भी नवीन तकनीक से विकास संबंधी सोच का उदाहरण है। डॉ. अजय की ख्वाहिश है कि वे राजस्थान को कर्नाटक और आंध्रप्रदेश जैसे उन राज्यों की कतार में शामिल करें जो आईटी के अगुआ स्टेट्स माने जाते हैं। उनका मानना है कि गुणवत्ता के स्तर को हमेशा बनाकर रखना चाहिए, उपभोक्ताओं का विश्वास खुद-ब-खुद मिल जाता है। ■

कॉर्पोरेट हस्तियों की टीम में डॉ. अजय डाटा

वर्ष 2007 जोहानसबर्ग में आयोजित इंडिया, ब्राजील और साउथ अफ्रीका (इब्सा) समिट में भारतीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के साथ कॉर्पोरेट जगत का 22 सदस्यीय दल भी गया था, जिसमें कई नामी हस्तियां थीं। इसमें राजस्थान की इंटरनेट सर्विस प्रोवाडर कंपनी डाटा इन्फोसिस लि. के सीईओ डॉ. अजय डाटा ने देश के आईटीईएस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। दल में आदित्य बिड़ला ग्रुप के सीनियर प्रेसीडेंट शुभेंदु अमिताभ, टेलीडाटा इंफोर्मेटिक्स के चेयरमैन के. बालासुब्रमणियम, आई फ्लैक्स साल्यूशंस के चेयरमैन राजेश हुक्कू, हेरिसन मलयालम लि. के प्रबंध निदेशक प्रभाकर देव, जिमपेक्स के चेयरमैन एसपी गोयनका और वाइस प्रेसीडेंट केके गौतम, ईआरएम के प्रबंध निदेशक सुबीर गुप्ता, एमक्योर फार्मा के कार्यकारी निदेशक अरुण कुमार खन्ना, अपोलो हॉस्पिटल्स की निदेशक शोभना केमिनेनी, आईसीआईसीआई बैंक लि. की डिप्टी प्रबंध निदेशक चंदा कोचर, विदेश संचार निगम लि. के प्रेसीडेंट संदीप माथुर, फीडबैक वेंचर्स प्रालि के प्रबंध निदेशक परवेश मिनोचा, जेनसार टैक्नोलॉजीज के एमडी गणेश नटराजन, रेनबैक्सी लेब के सीईओ मलविंदर मोहन सिंह, सुराणा इंटरनेशनल एटोर्नीज के सीईओ विनोद सुराणा, मैड्रिएक एसए के एमडी मुहम्मद बोधानिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के कंट्री मैनेजर राजीव गुप्ता, प्राज इंडस्ट्रीज के सीनियर मैनेजर सुरेंद्र कुलकर्णी, टाइमटनल कंसल्टेंसी के एमडी गौरव प्रधान और अरविंदो फार्मा के प्रबंध निदेशक एवि रामचरण भी शामिल थे। ■

ब्राजील में आईबीएसए बिजनैस समिट में तत्कालीन केंद्रीय वाणिज्य मंत्री कमलनाथ के साथ डॉ. अजय डाटा।

हर कदम पर साथ...डॉ. अजय डाटा और उनकी पत्नी निधि ए. डाटा।

सफलता के रास्ते पर कदम दर कदम

डाटा ग्रुप ने आज आईटी सैक्टर में जो छलांग लगाई है, उसके पीछे असली मेहनत डॉ. अजय डाटा की ही है। राजस्थान जैसे राज्य में उन्होंने अल्प समय में आईटी सेवाओं को उच्च स्तर पर पहुंचाकर यह दिखा दिया कि मन में दृढ़ संकल्प हो और इरादों में बुलंदी, तो ईमानदार कोशिशों के सहारे कारोबारी दुनिया में शिखर को स्पर्श किया जा सकता है। डॉ. अजय डाटा ने राजस्थान में आईटी क्रांति को हकीकत का रूप देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज इस क्षेत्र में कंपनी को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, तो इसका श्रेय डॉ. अजय डाटा के प्रयासों को ही दिया जा सकता है।

❖ डॉ. अजय डाटा ने डाटा इन्फोसिस की स्थापना वर्ष 1999 में की थी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 18 अप्रेल 1999 के दिन इसे लॉन्च किया था। इस लिहाज से आगामी 18 अप्रेल को कंपनी के 13 साल पूरे होने जा रहे हैं।

❖ अजय डाटा 'एंटरप्रन्योर्स ऑर्गेनाइजेशन (ईओ)' के जयपुर चैप्टर के फाउंडर प्रेसीडेंट रहे हैं। इसकी स्थापना उन्होंने वर्ष 2007 में की थी। इसके लिए उन्हें 'बेस्ट स्टार्टर चैप्टर अवार्ड' से भी सम्मानित किया गया था।

❖ वे 'द इंडस एंटरप्रन्योर (टाई)' के राजस्थान चैप्टर के को-फाउंडर रहे हैं। 2003 से 2005 तक उन्होंने इस संस्था के प्रेसीडेंट के पद पर कार्य किया। संस्था के अभियान 'फोस्टरिंग एंटरप्रन्योरशिप' के तहत उन्होंने स्कूलों-कॉलेजों में 150 से अधिक व्याख्यान दिए।

❖ अजय डाटा 'प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन (जीएमसीकेएस)' के मैनेजिंग ट्रस्टी भी हैं। इस संस्था के 'फूड फॉर हंगरी' प्रोजेक्ट के तहत वे प्रतिदिन सौ से अधिक निर्धन बच्चों को भोजन उपलब्ध कराते हैं और निर्धन तथा जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र इत्यादि का वितरण करते हैं। यह सिलसिला पिछले दो वर्षों से चल रहा है।

❖ अजय डाटा की पत्नी निधि ए. डाटा फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन, जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन हैं। वे प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन की ट्रस्टी हैं तथा साथ ही किड्स क्लब की फाउंडर भी हैं। ■

डाटा-हस्तियों की नज़र में

यह डॉ. अजय डाटा की कड़ी मेहनत और लगन का ही परिणाम है कि उन्होंने इतने कम समय में इन ऊंचाइयों को छुआ है। उनके इन प्रयासों की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। उनकी कंपनी डाटा इन्फोसिस के 13 साल पूरे करने पर मैं उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

-अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. अजय डाटा और उनकी कंपनी डाटा इन्फोसिस के 13 साल पूरे करने के अवसर पर मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई! अजय डाटा ने अपनी नई सोच के दम पर आईटी के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है और आज यह कहा जा सकता है कि वे आईटी की दुनिया की एक नई रोशनी हैं।

-वसुंधरा राजे
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. अजय डाटा ने राजस्थान में आईटी क्रांति को हकीकत का रूप देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईटी की दुनिया में आज उनकी कंपनी डाटा इन्फोसिस को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है और इसका श्रेय डॉ. अजय डाटा के प्रयासों को ही दिया जा सकता है।

-लक्ष्मीनिवास मित्तल
स्टील किंग

अजय डाटा ने इतनी कम उम्र में ही जो कामयाबी हासिल की है, वो काबिले तारीफ है। लोग उनकी कार्यकुशलता और नई सोच का लोहा मानते हैं और यह बात भी तय है कि बहुत जल्द वे दुनिया में भी पहचाने जाएंगे। कहा जा सकता है कि अजय डाटा का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

-पं. डॉ. केदार शर्मा
विश्वविख्यात ज्योतिषी

यह बड़े ही गर्व की बात है कि राजस्थान के एक शख्स ने आईटी के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान कायम की है। आज कहा जा सकता है कि डाटा इन्फोसिस की विकास की रफ्तार बहुत तेज है और यह अजय डाटा की कार्यशैली का ही नतीजा है। उनकी कंपनी के तेरह साल पूरे होने के मौके पर मेरी तरफ से उन्हें शुभकामनाएं!

-अनूप बरतरिया
सीएमडी, वर्ल्ड ट्रेड पार्क

डाटा इन्फोसिस की देश में ख्याति को देखते हुए बीएसएनएल ने हाल ही इस कंपनी की भारत सिंक के साथ अनुबंध किया है, जो अजय डाटा की काबिलियत को ही साबित करता है। मेरी तरफ से उन्हें शुभकामनाएं! बीएसएनएल ने हाल ही आईटीजेड के साथ ट्रस्ट नाम से प्रीपेड कार्ड भी जारी किया है।

-आर.के. उपाध्याय
सीएमडी, बीएसएनएल

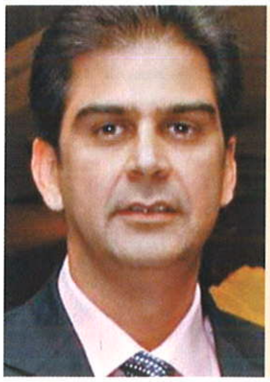

'दुनिया हासिल करना कुछ ही दूर है/ हिंदुस्तान तो हासिल कर ही लेंगे'- अजय डाटा के बारे में यही कहा जा सकता है। आईटी के क्षेत्र में उन्होंने जो नए प्रयोग किए हैं, उनकी वजह से लोगों का काम अब बहुत आसान हो गया है। वे आईटी की दुनिया में राजस्थान को चोटी पर पहुंचाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं, यह सराहनीय है।

-निखिल चोपड़ा, पूर्व क्रिकेटर

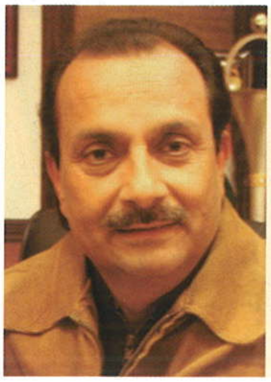

डाटा इन्फोसिस ने आईटी के क्षेत्र में हमारे देश में एक तरह से संचार क्रांति की शुरुआत की है। कंपनी के मुखिया अजय डाटा कड़ी मेहनत में यकीन करते हैं। उनकी प्रगति को देखकर यही कह सकता हूं कि अभी तो डाटा इन्फोसिस तेरह साल की उम्र का एक पौधा है, अभी इसका यौवन देखना बाकी है।

-राजीव अरोड़ा
उपाध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस